SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Lab Technician and Lab Assistant, medical (Medical & Health Department, Rajasthan)

प्रयोगशाला तकनीशियन राजकीय चिकित्सालयों की जाँच प्रयोगशाला में काम करता है — रक्त, मूत्र एवं अन्य नमूने लेना, उन्हें जाँचना, मशीनों का संचालन एवं अंशांकन, गुणवत्ता नियंत्रण, तथा रिपोर्ट तैयार करना। चिकित्सक का निदान बहुत हद तक...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-lab-technician

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

प्रयोगशाला तकनीशियन राजकीय चिकित्सालयों की जाँच प्रयोगशाला में काम करता है — रक्त, मूत्र एवं अन्य नमूने लेना, उन्हें जाँचना, मशीनों का संचालन एवं अंशांकन, गुणवत्ता नियंत्रण, तथा रिपोर्ट तैयार करना। चिकित्सक का निदान बहुत हद तक इसी रिपोर्ट पर टिकता है: मलेरिया, टाइफाइड, क्षय रोग, मधुमेह, रक्ताल्पता — इनमें से अधिकांश का पता जाँच से चलता है, लक्षण से नहीं। योग्यता स्नातक नहीं: कक्षा 12 विज्ञान के बाद मेडिकल लैब का डिप्लोमा तथा राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीकरण। एक बात स्पष्ट रखें — यह पद शिक्षा विभाग के "प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान)" से बिल्कुल अलग है; वह विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला का पद है, यह चिकित्सालय की जाँच प्रयोगशाला का।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	प्रयोगशाला तकनीशियन — विज्ञान के साथ वरिष्ठ माध्यमिक (जीव विज्ञान अथवा गणित सहित) + मेडिकल लैब टेक्नीशियन का डिप्लोमा + राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीकरण। प्रयोगशाला सहायक — विज्ञान के साथ वरिष्ठ माध्यमिक + मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी का डिप्लोमा
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.) / नियुक्ति प्राधिकारी — चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
आयु-सीमा	न्यूनतम 18 वर्ष। ऊपरी आयु-सीमा यहाँ नहीं दी गई — इन नियमों के निकाले गए पाठ में वह आँकड़ा पढ़ा नहीं जा सका; विज्ञप्ति देखें — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं — विज्ञप्ति देखें
माँग	प्रयोगशाला तकनीशियन — 85% सीधी भर्ती, 15% विभागीय। प्रयोगशाला सहायक — 100% सीधी भर्ती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- विज्ञान, विशेषकर जीव विज्ञान एवं रसायन में रुचि
- मशीनों एवं सूक्ष्मदर्शी के साथ सटीक काम

- स्वास्थ्य सेवा में योगदान, बिना सीधे रोगी-उपचार के

क्षमताएँ

- अत्यधिक सटीकता — रिपोर्ट का एक अंक गलत होने पर इलाज गलत दिशा में चला जाता है
- नमूना लेते समय रोगी को सहज रखना
- दोहराव वाले काम में एकाग्रता बनाए रखना

ज़रूरी कौशल

- रक्त, मूत्र, थूक एवं अन्य नमूनों का संग्रहण एवं लेबलिंग
- रक्त गणना, रक्त समूह, शर्करा, हीमोग्लोबिन एवं जैव-रसायन जाँचें
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं अभिकर्मकों (रीएजेंट) का भंडारण
- रिपोर्ट तैयार करना एवं अभिलेख रखना
- सूक्ष्मदर्शी से मलेरिया परजीवी एवं क्षय रोग की जाँच
- स्वचालित विश्लेषक मशीनों का संचालन एवं अंशांकन
- जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का नियमानुसार निस्तारण एवं संक्रमण नियंत्रण

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 उत्तीर्ण करें, फिर कक्षा 11 में विज्ञान संकाय लें। प्रयोगशाला तकनीशियन के लिए नियम जीव विज्ञान अथवा गणित — दोनों में से किसी एक को स्वीकार करते हैं, इसलिए जीव विज्ञान न मिलने पर भी रास्ता खुला रहता है।
2. कक्षा 12 विज्ञान से उत्तीर्ण करें।
3. मेडिकल लैब का डिप्लोमा करें, ऐसे संस्थान से जो राज्य सरकार, केंद्र सरकार अथवा राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त हो। प्रवेश से पहले मान्यता जाँचना अनिवार्य है — अमान्य संस्थान का डिप्लोमा पंजीकरण पर बेकार हो जाता है।
4. राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराएँ। प्रयोगशाला तकनीशियन के लिए नियम इसे योग्यता का दूसरा अनिवार्य हिस्सा बनाते हैं।
5. दोनों पदों का अंतर समझकर आवेदन करें — प्रयोगशाला तकनीशियन ऊपर का पद है (85% सीधी भर्ती), प्रयोगशाला सहायक उससे नीचे (100% सीधी भर्ती)। विज्ञप्ति में देखें कि भर्ती किस पद की है।
6. दस्तावेज़ सत्यापन के बाद चिकित्सालय की जाँच प्रयोगशाला में कार्यभार लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- चयन — बोर्ड अथवा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा। अंक-योजना एवं पाठ्यक्रम उसी चक्र की विज्ञप्ति में प्रकाशित होते हैं।
- एक पुरानी शर्त जो अब लागू नहीं — यदि आपको कहीं पढ़ने को मिले कि प्रयोगशाला तकनीशियन के लिए "माध्यमिक तथा 9 माह का प्रशिक्षण" पर्याप्त है, तो वह नियमों की पुरानी पंक्ति है, जिसे 6 फ़रवरी 2013 की अधिसूचना से बदला जा चुका है। वर्तमान शर्त वरिष्ठ माध्यमिक (विज्ञान) के साथ डिप्लोमा तथा पंजीकरण है। कोचिंग सामग्री एवं पुराने नोट्स में यह पुरानी शर्त अब भी मिलती है।
- प्रयोगशाला सहायक के लिए एक बार की विशेष छूट — नियमों में यह प्रावधान है कि जिनके पास मान्यता प्राप्त व्यावसायिक योग्यता नहीं है, पर जिन्होंने माध्यमिक उत्तीर्ण किया है और राजकीय चिकित्सालय प्रयोगशाला में संविदा पर अथवा सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से कम से कम तीन वर्ष प्रयोगशाला तकनीशियन या प्रयोगशाला सहायक के रूप में काम किया है, वे भी पात्र होंगे। यह एक बार की व्यवस्था है, सामान्य नियम नहीं।
- महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण — इन नियमों में सीधी भर्ती हेतु नर्स ग्रेड-II एवं पब्लिक हेल्थ नर्स के पदों पर 50% तथा शेष पदों पर 30% (श्रेणीवार) आरक्षण दिया गया है, जिसमें से एक-तिहाई विधवा एवं परित्यक्ता अभ्यर्थियों के लिए 80:20 के अनुपात में रखा जाता है।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government Senior Secondary Schools — Class 12 with science — हर ब्लॉक में
- Government medical colleges — DMLT and medical laboratory diplomas — जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा एवं अन्य (https://ruhsraj.org/)
- Rajasthan Para Medical Council — recognition and registration — जयपुर (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in)

ऑनलाइन

- राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल — मान्यता प्राप्त संस्थान एवं पंजीकरण — प्रवेश से पहले संस्थान की मान्यता यहीं जाँचें (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in)
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — इस पद का विभाग (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम — जाँच प्रयोगशालाओं की भूमिका — भारत सरकार, निःशुल्क सामग्री (https://mohfw.gov.in)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

राजकीय विद्यालय से कक्षा 12 विज्ञान तक की पढ़ाई लगभग निःशुल्क है। मेडिकल लैब डिप्लोमा का शुल्क राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय से बहुत कम रहता है और निजी संस्थानों से कई गुना अधिक — इसलिए पहले राजकीय संस्थान का प्रयास करें। इस क्षेत्र में मान्यता के बिना चलने वाले निजी पाठ्यक्रम बहुत हैं, और अमान्य डिप्लोमा पर लगा पूरा समय एवं शुल्क व्यर्थ चला जाता है; प्रवेश से पहले राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल की सूची अवश्य देखें। पंजीकरण शुल्क कुछ हज़ार रुपये का होता है। एक व्यावहारिक बात — यही योग्यता निजी जाँच प्रयोगशालाओं, चिकित्सालयों एवं संग्रहण केंद्रों में भी तुरंत काम देती है, इसलिए पढ़ाई का लाभ सरकारी चयन पर नहीं टिकता।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजकीय चिकित्सालयों की जाँच प्रयोगशालाएँ, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ज़िला क्षय रोग केंद्र, रक्त कोष, तथा मलेरिया एवं मौसमी बीमारियों की जाँच के लिए लगने वाले शिविर।

कार्य-संस्कृति

बड़े चिकित्सालयों में प्रयोगशाला चौबीसों घंटे चलती है, इसलिए पाली में काम और रात की ड्यूटी सामान्य है — आपात जाँच किसी भी समय आ सकती है। सुबह ओ.पी.डी. के समय नमूनों की संख्या बहुत बढ़ जाती है और तब गति के साथ सटीकता निभानी पड़ती है। संक्रमण का जोखिम वास्तविक है क्योंकि काम रक्त एवं अन्य नमूनों के साथ होता है, इसलिए दस्ताने, निस्तारण एवं जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के नियम कभी ढीले नहीं छोड़े जाते। काम अधिकतर मशीन एवं सूक्ष्मदर्शी के साथ, अपेक्षाकृत शांत वातावरण में होता है — जिस विद्यार्थी को विज्ञान पसंद है पर सीधे रोगी-उपचार में रुचि नहीं, उसके लिए यह उपयुक्त रास्ता है। संतोष यह है कि सही रिपोर्ट ही इलाज की दिशा तय करती है; मलेरिया की एक स्लाइड सही पढ़ लेना किसी का बुख़ार ठीक करा देता है।

कौन नौकरी देता है

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार
- राजकीय ज़िला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के संबद्ध चिकित्सालय
- राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन एवं मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की प्रयोगशालाएँ
- रक्त कोष एवं ज़िला जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएँ
- निजी जाँच प्रयोगशालाएँ एवं संग्रहण केंद्र (सरकारी चयन से स्वतंत्र)

माँग (2026)

जाँच पर निर्भरता लगातार बढ़ी है — मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना के बाद राजकीय चिकित्सालयों में जाँचों की संख्या बहुत बढ़ी, और हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रयोगशाला चलती है, इसलिए यह पद स्थायी रूप से आवश्यक है। पदों का गणित ध्यान से पढ़ें, क्योंकि दोनों पदों का अलग है: प्रयोगशाला तकनीशियन के 85% पद सीधी भर्ती से और 15% विभागीय कर्मचारियों से भरे जाते हैं, जबकि प्रयोगशाला सहायक के 100% पद सीधी भर्ती से। यानी बाहर से आने वाले अभ्यर्थी के लिए दोनों में से सहायक का पद पूरा खुला है और तकनीशियन का लगभग छह-सातवाँ हिस्सा। एक और बात ईमानदारी से: प्रयोगशाला सहायक के लिए नियमों में एक बार की छूट है जिसके तहत राजकीय प्रयोगशालाओं में संविदा या एजेंसी के माध्यम से तीन वर्ष काम कर चुके लोग भी पात्र होते हैं, इसलिए उस चक्र में प्रतिस्पर्धा का स्वरूप बदल सकता है। सबसे व्यावहारिक बात यह है कि यह योग्यता सरकारी चयन पर निर्भर नहीं — निजी जाँच प्रयोगशालाएँ, चिकित्सालय एवं संग्रहण केंद्र सब इसी डिप्लोमा पर काम देते हैं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्रयोगशाला सहायक — 100% सीधी भर्ती
2. प्रयोगशाला तकनीशियन — 85% सीधी भर्ती, 15% विभागीय
3. वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन — 100% पदोन्नति से, प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर सेवा के आधार पर
4. तकनीकी सहायक एवं वरिष्ठ तकनीकी सहायक — पदोन्नति के माध्यम से

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹35,000 – ₹45,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹50,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ तकनीशियन एवं तकनीकी सहायक स्तर पर)

दोनों पदों का वेतनमान एक नहीं है — प्रयोगशाला तकनीशियन ऊपर का पद है और उसका वेतन अधिक रहता है; विज्ञप्ति में दोनों अलग-अलग दिए जाते हैं। तुलना करते समय यह भी ध्यान रखें कि इस पद तक पहुँचने की लागत कक्षा 12 के बाद दो वर्ष की है, और वही योग्यता निजी क्षेत्र में भी आय देती है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- स्नातक की डिग्री आवश्यक नहीं — कक्षा 12 विज्ञान के बाद डिप्लोमा पर्याप्त
- नियम जीव विज्ञान अथवा गणित दोनों को स्वीकार करते हैं, इसलिए गणित वाले विद्यार्थी के लिए भी रास्ता खुला
- योग्यता निजी प्रयोगशालाओं में भी तुरंत आय देती है — सरकारी चयन पर निर्भरता नहीं

चुनौतियाँ

- रक्त एवं नमूनों के साथ काम — संक्रमण का वास्तविक जोखिम एवं लगातार सावधानी
- बड़े चिकित्सालयों में पाली एवं रात की ड्यूटी सामान्य
- अमान्य संस्थान का डिप्लोमा पंजीकरण पर बेकार — मान्यता पहले जाँचें

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियम, 1965 (कार्मिक विभाग) — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/202310191130523544303Medical1965_merged.pdf

2. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — पैरामेडिकल काउंसिल की अपनी साइट वर्तमान में उपलब्ध नहीं — https://rajswasthya.rajasthan.gov.in

3. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार — https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in